GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIOLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION APRIL-2022

YOGA : HISTORY & PHILOSOPHY

Date :- 04.04.2022
Monday

Time :- 10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

Instructions: 1. Every question is compulsory.
प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है।
2. Every question bears the marks written on the right side.
प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गये हैं।

SECTION-A

1. Give the brief introduction about the various streams of Yoga. 10
योग की विभिन्न शाखाओं का संक्षिप्त परीचय दीजिए।

2. Answer any one out of two questions. 10
(A) Describe the Yoga of Devotion according to Shrimad Bhagvad Geeta.
श्रीमद् भगवद् गीता अनुसार भक्तियोग का वर्णन करें।
(B) Explain the Philosophical aspect of Yoga in Upanishad.
उपनिषदों में योग का दार्शनिक पक्ष समजाएँ।

3. Answer any Four out of five questions. 20
A. Write a short note on : The Doctrine of Rebirth.
टिप्पणी करें - पुनर्जन्मवाद।
B. Write a short note on : History of Yoga.
टिप्पणी करें - योग का इतिहास।
C. Write Aims & Objectives of Yoga.
योग के हेतु एवं उद्देश्य लिखें।
D. Write a short note on : Kaivalya Pada of Patanjala Yoga Sutra.
टिप्पणी करें - पातञ्जल योगसूत्र का केवल्यपाद।
E. Describe the Global position of Yoga in modern era.
आधुनिक युग में योग की वैश्विक स्थिति का वर्णन करें।

4. Answer any Five of the following : 10
A. What is Tantra Yoga ?
तन्त्रयोग क्या है ?
B. Write the Padas of Patanjala Yoga Sutra in sequence.
पातञ्जल योगसूत्र के पादों को क्रम से लिखें।
C. Define Sthitaprajnata.
'स्थितप्रज्ञता' व्याख्यायित करें।
D. Write the author and time period of Yoga Vashishtha.
योगवाशिष्ठ के रचयिता एवं काल लिखें।
E. Enlist the main Darshan Shastras.
मुख्य दर्शन शास्त्रों को सूचिबद्ध करें।
F. Explain the difference between Jnan and Vijnan.
ज्ञान और विज्ञान का अंतर स्पष्ट करें।

P.T.O.

SECTION-B

5. Explain the Ashtamahasiddhi according to Yogic Texts. 10
योग संहिताओं के आधार पर अष्टमहासिद्धि का वर्णन करें।

6. Answer any one out of two questions.: 10
(A) Explain your views on 'Yoga for human values and education'.
'मानवीय मूल्यों और शिक्षण में योग' पर अपना मत प्रदर्शित कीजिए।
(B) Give the detail introduction and concepts of Shiv Samhita.
शिव संहिता का परिचय एवं संकल्पना विस्तार से समजाएँ।

7. Answer any Four out of five questions.: 20
A. Write a short note on : Pranayam - its types and stages according to Maharshi Gheranda.
टिप्पणी करें - महर्षि घेरण्ड के मतानुसार प्राणायाम के प्रकार एवं स्तर दर्शायें।
B. Write about the Praanvidhya according to Goraksha Samhita.
गोरक्ष संहिता अनुसार प्राणविद्या के बारे में लिखीए।
C. Write a short note on : Panch Mahaprana and Panch Upasana.
टिप्पणी करें - पञ्च महाप्राण एवं पञ्च उपप्राण।
D. Write a short note on : Nadanusandhan.
टिप्पणी करें - नादानुसन्धान।
E. Describe the obstructing factors in Yogic practices.
योगाभ्यास में बाधक भावों का वर्णन करें।

8. Answer any Five of six questions.: 10
A. Write the types of Samadhi according to Gheranda Samhita.
घेरण्ड संहिता के मतानुसार समाधि के प्रकार लिखें।
B. What is Kadalini ?
कुण्डलिनी क्या है ?
C. In which seasons Yogabhyaas should not be started ?
कौनसी ऋतु में योगाभ्यास शुरु नहीं करना चाहिए ?
D. Write the time and author of Hathapradeepika.
हठप्रदिपिका के रचयिता और काल लिखें।
E. Enlist Yoganga as per Goraksha.
गोरक्ष संहितानुसार योगांग सूचिबद्ध करें।
F. What are Chakras ? Enlist any four benefits of Mooladhar Chakra Dhyan.
चक्र क्या है ? मूलाधार चक्र के किन्हीं चार लाभों को सूचिबद्ध करें।

♦♦♦♦♦

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIOLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION APRIL-2022

YOGA : PRACTICE & THERAPY

Date :- 05.04.2022
Tuesday

Time :- 10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

सूचना : १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है। Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं।
The marks of every question have been written on their right side.

SECTION - A

1. ऊर्ध्व जत्रुगत योगिक सूक्ष्म व्यायाम सविस्तार वर्णित करें। 10

Describe Supra Clavicular Yogic Sukshma Vyayam in detail.

2. हृदय के लिए बलप्रद योगिक स्थूल व्यायाम का सविस्तार वर्णन करें। 10

Describe Cardiac Streanthning Yogic Sthul Vyayam in detail.

OR

शंखप्रक्षालन की तकनीक एवं वैज्ञानिक आयाम स्पष्ट करें।
Explain the technique and scientific aprrasial of Shankhaprakshlana.

3. Write short notes on any **Four** of the following : 20

A. आसन और व्यायाम के बीच का अंतर।
Difference between Asanas and exerecises.

B. भुजंगासन एवं उसके प्रकारों की चिकित्सकीय उपयुक्तता।
Therapeutic utility of Bhujangasan and it's variations.

C. योगाभ्यास का समयानुसार (कालक्रमिक) विकास।
Chronological development of Yoga practice.

D. सूर्यनमस्कार के निषेध।
Contraindication of Suryanamaskar.

E. वैज्ञानिक आधार : 'चेतातंत्र के रोगों के लीये धनुरासन'।
Scientific explanation of "Dhanurasan for Nervous disorders".

4. Answer any **Five** of the following : 10

A. कुंजलक्रिया के २ - २ चिकित्सकीय उपयोग एवं निषेध लिखें।
Enlist 2-2 therapeutic useag and C.I. of Kunjal Kriya.

B. दंडधौति के लीये उपयुक्त परंपरागत दंडो को सूचिबद्ध करें।
Enlist the traditional dandas for Danda Dhauti.

C. 'नाभिग्रंथि मेरुपृष्ठ शतवारं च कारयेत्'। विधि पहचानीये।
'नाभिग्रंथि मेरुपृष्ठ शतवारं च कारयेत्' Identify the procedure.

D. 'दिव्यदृष्टि' के उपलक्ष्य में प्राचीन ग्रन्थों में सूचित शुद्धि क्रियाएँ सूचिबद्ध करें।
Enlist the cleansing procedures which is coated in classics for "Divya Drishti".

E. विरासन की तकनीक लिखें।
Write the technique of Virasan.

F. कुण्डलीनी शक्तिविकासक क्रिया की तकनीक लीखें।
Write the technique of "Kundalini Shakti Vikasak Kriya".

P.T.O.

SECTION - B

5. चिकित्सकीय उपयुक्तता के साथ त्रिबंध वर्णित करें। 10
Describe Tribandha with therapeutic utility.

6. चिकित्सकीय उपयोगिता एवं शरीर क्रियात्मक प्रभाव के साथ स्वरोदय को व्याख्यायित करें। 10
Define Svaroday with it's therapeutic utility and physiological effect.

OR

तकनीक एवं शरीर क्रियात्मक प्रभाव के साथ 'योगनिद्रा' को व्याख्यायित करें।
Define Yoganidra with technique and Physiological effect.

7. Write short notes on any **Four** of the following : 20

A. समझाएँ - ऊर्ध्वनाभिरधस्तालुरुर्ध्वभानुरधः शशी। .....
Explain - ऊर्ध्वनाभिरधस्तालुरुर्ध्वभानुरधः शशी। .....

B. बायोफिडबेक तकनीक।
Biofeed back techniques.

C. कुण्डलीनी ध्यान की तकनीक एवं प्रभाव।
Technique and effect of Kundalini meditation.

D. अश्विनी मुद्रा का चिकित्सकीय महत्व।
Therapeutic importance of Ashvini Mudra.

E. भस्त्रिका प्राणायाम की उपयुक्तता एवं निषेध।
Utility and C.I. of Bhastrika Pranayam.

8. Answer any **Five** of the following : 10

A. धारणा को व्याख्यायित करें।
Define Dharana.

B. 'साइक्लिक' ध्यान के आसनों को सूचिबद्ध करें।
Enlist Asanas of cyclic medation.

C. माण्डुकी मुद्रा की विधि लिखें।
Write technique of Manduki Mudra.

D. चन्द्रभेदन प्राणायाम के चार चिकित्सकीय उपयोग सूचिबद्ध करें।
Enlist four therapeutic uses of Chandrabhedan Pranayam.

E. वैश्वानरी धारणा को व्याख्यायित करें।
Define Vaishvanari Dharana.

F. किन्हीं चार मनको वश में करनेवाली समकालीन विधियाँ सूचिबद्ध करें।
Enlist any four contemporary methods of mind control.

*****

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIOLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION APRIL-2022

NATUROPATHY : HISTORY, PHILOSOPHY & PRINCIPLES

Date :- 06.04.2022
Wednesday

Time :- 10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

Instructions: 1.प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है। Every question is compulsory.
2. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए है।
Every question bears the marks written on the right side.

SECTION-A

1. व्याधि उत्पतिमें वेगधारण के लागू पहेलू को समझाऐं। 10
Explain applied aspect of vegadharana in disease.

2. Answer any one question: 10
   A. प्राकृतिक अनुजेता की प्राप्ति एवं सुधार की तकनीक वर्णित करे।
   Describe techniques of acquire and improve natural immunity.
   B. सांप्रत समयमे निसर्गोपचारके लक्ष्य एवं उदेश्य वर्णित करे।
   Describe aims and objective of Naturopathy in present era.

3. Answer any **Four** questions: 20
   A. हिपोक्रेटस।
   Hippocrates.
   B. स्वास्थ्य रखरखाव में दिनचर्या का महत्व।
   Role of Dinacharya in health maintenance.
   C. ईवोन प्रेज्झली।
   Ivon preczely.
   D. व्याधित अवस्था मां मनका किरदार।
   Role of mind in diseased Condition.
   E. प्राकृतिक कायाकल्प।
   Natural Rejuvenation.

4. Answer any **Five** questions : 10
   A. कुलरंजन मुर्खजी के कीन्ही दो प्रकाशन को नामांकित करें।
   Enlist any two Publication of Kulranjan Mukharjee.
   B. बालकोबा भावे कौन थे ?
   Who was Balkoba Bhave ?
   C. युनानी पध्धिती अनुसार स्वास्थ्य और व्याधिके मूलभूत दृष्टिकोण लिखे।
   Write basic concept of health and disease as per unani system.
   D. " फाधर ओफ फिझीकल क्लचर " से कौन जाना जाता था ?
   Who was known as father of physical culture?
   E. स्वास्थ्य रखरखाव में रात्रि चर्या का लागू पहेलू ।
   Applied aspect of Ratricharya in health maintenance.
   F. स्वास्थ्य के रचनात्मक सिध्धांत को व्याख्यायित करें ।
   Define constructive Principle of health.

P.T.O.

SECTION-B

5. लुईस कुहने के मत अनुसार निसर्गोपचार का दर्शन एवं दृष्टिकोण वर्णित करे । 10
Describe Philosophy and concept of Naturopathy as per Louis kunhe.

6. Answer any one question: 10
   A. व्याधि के प्राथमिक और द्वितीयक कारणो को हेनरी लिण्डलार के मत अनुसार समझाऐ।
   Explain Primary and secondary cause of disease as per Henary lindlar.
   B. जीवनीय शक्ति एवं शक्तिसंचय का सिध्धांत वर्णित करे।
   Describe theory of Vitality and Vital economy.

7. Answer any **Four** questions: 20
   A. निसगोपचार का गांधीजी का दृष्टिकोण।
   Gandhian concept of Naturopathy.
   B. व्याधि के होने और ठिक होने के उल्टे क्रम का नियम।
   Law of disease and reverse order of cure.
   C. "हप्ते में एक बार उपवास" का चिकित्सकीय महत्व।
   Therapeutic Importance of "fasting once in week".
   D. "दुर्बलता का दृष्टिकोण (नाडीमंडल की दुर्बलता)
   Concept of Enervation.
   E. पुरुष के लिए प्राकृतिक गर्भनिरोधक पध्धतिया ।
   Natural contraceptive methods for male.

8. Answer any **Five** questions : 10
   A. प्रार्थना को व्याख्यायित करे ।
   Define Prayer.
   B. अग्रसंचय के चार रोग नामांकित करे ।
   Enlist 4 disease of frontal encumbrance.
   C. निसगोपचार के अनुसार शोथ की अवस्थाए सूचिबध्ध करे ।
   Enlist stages of inflammation as per Naturopathy.
   D. "8 -10 ग्लास पानी हररोज " की 4 चिकित्सकिय उपयोगिता लिखे।
   Enlist 4 therapeutic uses of "8-10 glasses water drinking "per day.
   E. स्वास्थ्य प्राप्ति के समय संकट को व्याख्यायित करें ।
   Define healing Crisis.
   F. उपास वृक्ष चित्रित करें ।
   Draw upas tree.

*****

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIOLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION APRIL-2022

NATURAL THERAPEUTICS

Date :- 07.04.2022
Thursday

Time :- 10:00 a.m. to 01:00 p.m
Total Marks :- 100

सूचना १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है । Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं ।
The marks of every question have been written on their right side.

SECTION-A

1. निसर्गोपचारीय प्रक्रियाओं के प्रयोग के समय रखने योग्य आवश्यक सावधानियों का वर्णन करें । 10
Describe the precautions required to be taken during the application of Naturopathic procedures.

2. आभ्यंतर जल चिकित्सा के शारीर एवं मानस प्रभावों का वर्णन करें । 10
Describe the physiological and psychological effects of internal hydrotherapy.

OR

कटि एवं मेरुदंड शीत जल स्नान के शारीर एवं मानस प्रभावों का वर्णन करें ।
Describe the physiological and psychological effects of cold water hip and spinal baths.

3. Write short notes on any **Four** of the following : 20
   A. मृत्तिका निमज्जन के योग्य एवं अयोग्य ।
   Indications and contra indications of mud immersion bath.
   B. मोम स्नान की चिकित्सकीय उपादेयता ।
   Therapeutic utility of wax bath.
   C. लू लगना ।
   Sun stroke.
   D. थाई मसाज पद्धति ।
   Thai massage technique.
   E. वायु सेवन के चिकित्सकीय प्रभाव ।
   Therapeutic effects of exposure to air/wind.

4. Answer any **Five** of the following : 10
   A. रक्तवर्ण की मृत्तिका के चिकित्सोपयोग लिखें ।
   Write the therapeutic uses of red coloured mud.
   B. सैंधव लवण स्नान करते समय ध्यानमें रखने योग्य किन्हीं चार सावधानियों को सूचिबद्ध करें ।
   Enlist any four precautions to be taken during Epsom salt bath.
   C. साग्नि स्वेद के प्रकार लिखें ।
   Write the types of Sagni Sweda.
   D. टापोटेमेन्ट किसे कहते है ?
   What is meant by Tapotement ?
   E. "ऑक्सिजन बार" किसे कहते है ?
   What is meant by "Oxygen bar" ?
   F. दीर्घकालिन उपवास के कोई भी चार प्रभाव सूचिबद्ध करें ।
   Enlist any four effects of long term fasting.

[P.T.O.]

SECTION-B

5. नव्य निसर्गोपचारीय प्रक्रियाओं के प्रयोग के सामान्य नियमों का वर्णन करें । 10
Describe the general rules for application of Neo-Naturopathic procedures.

6. रंग चिकित्सा का वर्णन करें । 10
Describe chromo therapy.

OR

शरीर एवं मन पर विभिन्न रंगो के होनेवाले प्रभावों का वर्णन करें ।
Describe the effects of various colours on the body and mind.

7. Write short notes on any **Four** of the following : 20
   A. प्राकृतिक चुम्बक ।
   Natural magnets.
   B. एक्युप्रेशर चिकित्सा ।
   Acupressure therapy.
   C. वाईब्रेटर चिकित्सा के योग्य एवं अयोग्य ।
   Indications and contra indications of Vibrator therapy.
   D. चिकित्सकीय संमोहन ।
   Medical hypnosis.
   E. श्वास रोगी के लिए आहार आयोजन ।
   Dietary prescription for an asthmatic patient.

8. Answer any **Five** of the following : 10
   A. पृथ्वि के चुम्बकीय प्रभावों को सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the magnetic effects of earth.
   B. ऑस्टियोपथी का मुख्य सिद्धान्त क्या है ?
   What is the main principle of osteopathy ?
   C. वाहक तैल किसे कहते है ?
   What is meant by carrier oil ?
   D. सूक्ष्म पौषक तत्व किसे कहते है ?
   What is meant by micro nutrients ?
   E. प्रोटीन की अल्पता से होनेवाली व्याधिओं को सूचिबद्ध करें ।
   Enlist the disorders generated due to the deficiency of protein.
   F. पक्व आहार के कोई भी चार फायदे सूचिबद्ध करें ।
   Enlist any four advantages of cooked food.

*****

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIOLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION APRIL-2022

MANAGEMENT OF DISEASES THROUGH YOGA & NATUROPATHY

Date :- 08.04.2022
Friday

Time :- 10:00 a.m. to 01:00p.m.
Total Marks :- 100

सूचना: 1. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य । Every question is compulsory.
2. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं ।
Every question bears the marks written on the right side.

SECTION-A

1. योग चिकित्सा में उपयुक्त अनुसंधान पध्धति का सविस्तार वर्णन करें। 10
Describe the research methodology to be adopted for Yoga therapy.

2. Answer any **one** out of two questions: 10
   A. निसर्गोपचार निदान प्रक्रिया एवं परामर्श के महत्व का वर्णन करें।
   Describe the methods of Naturopathic diagnosis and importance of counselling.
   B. योगिक निदान प्रक्रिया एवं परामर्श के महत्व का वर्णन करें।
   Describe the Yogic diagnostic methods & importance of counselling.

3. Write short notes on any **Four** questions: 20
   A. व्याधि विनिश्चय पध्धति।
   Method of diagnosis.
   B. चिकित्सालय में आधार सामग्री पृथ्थकरण।
   Data analysis in hospital.
   C. निसर्गोपचारीय अनुसंधान प्रणालि में आधार प्रबंधन प्रक्रिया।
   Data handling process in research methodology of Naturopathy.
   D. निसर्गोपचार में चिकित्सा क्रम का महत्व।
   Importance of sequence of treatments in Naturopathy.
   E. त्रिगुण परीक्षा।
   Triguna Pariksha.

4. Answer any **Five** questions (two to three sentences): 10
   A. योग अनुसंधान में समाविष्ट प्रमुख घटकों को सूचिबध्ध करें।
   Enlist the main components incorporated in Yoga research.
   B. वर्ण निदान सोदाहरण लिखें।
   Write chromo diagnosis with example.
   C. पृथ्वी महाभूत की पारंपरिक चिकित्सा पध्धतिओं के नाम लिखें।
   Enlist the traditional therapeutic techniques of Pruthivi Mahabhuta.
   D. मेरुदण्ड परीक्षण की नैदानिक उपादेयता क्या है?
   What is the diagnostic utility of spinal analysis?
   E. अंकशास्त्रीय पृथ्थकरण का महत्व लिखें।
   Write the importance of statistical analysis.
   F. निदान प्रक्रिया के प्रथम सोपान की उपादेयता लिखें।
   Write the importance of the first step of diagnostic method.

P.T.O.

SECTION-B

5. कुष्ठ एवं कामला का चिकित्सा सूत्र और संपूर्ण निसर्गोपचारीय चिकित्सा लिखें। 10
Write the line of treatment and complete Naturopathic management of Kushtha and Kamala.

6. Answer any **one** question: 10
   A. उदकवह स्रोतस् के किन्हीं दो व्याधियों की सम्पूर्ण योगिक एवं निसर्गोपचारीय चिकित्सा लिखें।
   Write the complete yogic and Niraogopchariya management of any two diseases of Udakavaha srotas.
   B. पक्षाघात एवं प्रवाहिका की योग एवं निसर्गोपयारीय संपूर्ण चिकित्सा चिकित्सा सूत्र के साथ लिखें।
   Write the complete Yogic and Naturopathic management of Pakshaghata and Pravahika alognwith its line of treatment.

7. Write short notes on any **Four** questions: 20
   A. जलोदर की आधुनिक सम्प्राप्ति एवं योगिक चिकित्सा।
   Modern pathology and Yogic treatment of Jalodara.
   B. आध्मान की निसर्गोपचारीय चिकित्सा।
   Naturopathic treatment of Adhmana.
   C. विषाद की योगिक चिकित्सा।
   Yogic treatment of Vishada.
   D. हृद्रोग की निसर्गोपचारीय चिकित्सा।
   Naturopathic management of Hridroga.
   E. मूत्रकृच्छ की नव्य निसर्गोपचारीय चिकित्सा।
   Neo-Naturopathic treatment of Mutra Kruchchha.

8. Answer any **Five** questions (two to three sentences): 10
   A. आमवात में उपयुक्त किन्ही चार योग प्रक्रियाओं के नाम लिखें।
   Enlist any four Yogic therapies useful for Amavata.
   B. अतत्त्वाभिनिवेश क्या है।
   What is the meaning of Atatvabhinivesha?
   C. राज्यक्ष्मा और शोष में क्या भेद है ?
   What is difference between Rajyakshama and Shosha?
   D. कास का चिकित्सासूत्र लिखें।
   Write the line of treatment of Kasa.
   E. गृध्रसी में उपयुक्त किन्ही चार योग चिकित्साओं को सूचिबध्ध करें।
   Enlist any four Yoga therapies useful in Grudhrasi.
   F. पाण्डु की संक्षिप्त निसर्गोपचारीय चिकित्सा लिखें।
   Write the Naturopathic treatment of Pandu in brief.

*****